उत्तर पूर्वी परिषद का 72वाँ पूर्ण अधिवेशन

स्रोत: पी.आई.बी.

त्रिपुरा के अगरतला में पूर्वोत्तर परिषद (NEC) के 72 वें पूर्ण अधिवेशन में केंद्रीय गृहमंत्री ने **पूर्वोत्तर राज्यों में पुलिस बलों के लिये** उग्रवाद नियंत्रण से हटकर **नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों को** सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया, जो इस क्षेत्र में शासन की एक नवीन अवस्था को दर्शाता है।

- **NEC: वर्ष 1971 में** (संसद के एक अधिनियम द्वारा) स्थापित NEC, पूर्वोत्तर क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास के लिये **नोडल एजेंसी है, जिसमें अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिज़ोरम, नगालैंड, सिक्किम तथा त्रिपुरा शामिल हैं।**
  - इसका उद्देश्य विकासात्मक चुनौतियों का समाधान करना और क्षेत्र की क्षमता का दोहन करना है।
- **NEC की उपलब्धियाँ:** 11,500 किलोमीटर से अधिक सड़कों का निर्माण, जिससे पूर्वोत्तर क्षेत्र में कनेक्टिविटी में सुधार हुआ।
  - उत्तर पूर्वी विद्युत ऊर्जा निगम (NEEPCO) के नेतृत्व वाली परियोजनाओं के माध्यम से विद्युत उत्पादन क्षमता को बढ़ाया गया।
  - **क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान संस्थान (RIMS) जैसे आधारभूत संस्थान** तथा विभिन्न शैक्षिक एवं तकनीकी केंद्र स्थापित करना।
  - **एक सलाहकार निकाय से क्षेत्रीय योजना एजेंसी के रूप में** परिवर्तित होकर, रणनीतिक निर्णय लेने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

और पढ़ें...

विकसित राष्ट्र के लिये पूर्वी भारत का पुनरुद्धार

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/72nd-plenary-of-the-north-eastern-council